हिन्दी (Hindi) - 2021 (A)

प्रथम पाली

खण्ड–अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के उत्तर अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर-पत्रक पर चिह्नित करें।

1. 'आम' शब्द का पर्यायवाची कौन है ?
   (A) प्रसून (B) झख (C) द्रुम (D) रसाल
2. निम्न में शुद्ध शब्द कौन है ?
   (A) अनाधिकार (B) अनधिकार (C) नधिकार (D) अनाधीकार
3. 'आमरण' शब्द में उपसर्ग है
   (A) आ (B) मा (C) इमा (D) ईमा

BiharboardQuestionpaper.com

4. 'मानव मुक्ति के पुरोधा' किसे कहा गया है ?
(A) नलिन विलोचन शर्मा (B) यतीन्द्र मिश्र
(C) भीमराव अंबेदकर (D) अमरकांत

5. 'मैं तो खोखा को इंजीनियर बनाने जा रहा हूँ' –यह कथन किसका है ?
(A) सेन साहब का (B) मिस्टर सिंह का (C) गिरधर लाल का (D) मुकर्जी साहब का

6. 'हितोपदेश' का जर्मन भाषा में अनुवाद किसने प्रकाशित करवाया ?
(A) महात्मा गाँधी ने (B) मैक्स मूलर ने (C) गुणाकर मुले ने (D) अमरकांत ने

7. 'नृवंश विद्या' का संबंध किससे है ?
(A) खगोल विज्ञान से (B) मानव विज्ञान से (C) वनस्पति विज्ञान से (D) भूगर्भ विज्ञान से

8. किस देश के लोग बड़े-बड़े नख पसंद करते थे ?
(A) अंगदेश के (B) गांधार के (C) कैकय देश के (D) गौड़ देश के

9. 'सूर्य' नामक पुस्तक किनकी रचना है ?
(A) मैक्स मूलर (B) बिरजू महाराज (C) गुणाकर मुले (D) महात्मा गाँधी

10. नेवारी भाषाएँ किस लिपि में लिखी जाती हैं ?
(A) देवनागरी (B) खरोष्ठी (C) शौरसेनी (D) ब्राह्मी

11. 'जिंदगी और जोंक' किस लेखक की रचना है ?
(A) भीमराव अंबेदकर (B) गुणाकर मुले (C) अशोक वाजपेयी (D) अमरकांत

12. बहादुर को लेकर कौन आया था ?
(A) लेखक का भाई (B) लेखक का साला (C) लेखक की बहन (D) लेखक की चाची

13. लेखक रामविलास शर्मा के गाँव का क्या नाम था ?
(A) ऊँचगा सानी (B) ऊँचगाँव सानी (C) उचकागाँव सैनी (D) ऊँचागाँव सैनी

14. पंडित बिरजू महाराज किस घराने के वंशज थे ?
(A) बनारस घराने के (B) लखनऊ घराने के (C) डुमराँव घराने के (D) जयपुर घराने के

15. 'भौतिकवाद का अर्थ भाग्यवाद नहीं है'–किस निबंध की पंक्ति है ?
(A) नागरी लिपि (B) परम्परा का मूल्यांकन
(C) श्रम विभाजन और जाति प्रथा (D) नाखून क्यों बढ़ते हैं

16. बिरजू महाराज का संबंध है
(A) तबला वादन से (B) संतूर वादन से (C) बाँसुरी वादन से (D) इनमें से कोई नहीं

17. निम्न में 'निश्चय' शब्द का विलोम कौन है ?
(A) उपनिश्चय (B) ननिशिचय (C) अनिश्चय (D) वनिशिचय

18. 'वास्तविक' शब्द में प्रत्यय है
(A) ईक (B) विक (C) क (D) इक

19. 'रुचि' शब्द का विशेषण है
(A) रुचिकर (B) रुचिक (C) रुचि (D) रुचना

20. 'महाशय' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है ?
(A) महाशयी (B) महाशया (C) महाशिनी (D) महाशियी

21. 'भानुमती का पिटारा' मुहावरे का क्या अर्थ है ?
(A) भानुमती की अटैची (B) अनावश्यक वस्तुओं का भंडार
(C) भानुमती की सम्पत्ति (D) भानुमती का गुल्लक

22. 'अज्ञान' शब्द कौन समास है ?
(A) बहुव्रीहि समास (B) कर्मधारय समास (C) नञ् समास (D) तत्पुरुष समास

23. निम्न में भाववाचक संज्ञा कौन है ?
(A) बुढ़ापा (B) पहाड़ (C) नदी (D) राम

24. 'बहादुर' शीर्षक कहानी की निर्मला कौन थी ?
(A) लेखक की बहन (B) लेखक की पत्नी (C) लेखक की रिश्तेदार (D) लेखक की माँ

25. 'आसादीवार' किस कवि की रचना है ?
(A) रसखान (B) कुँवर नारायण
(C) रामधारी सिंह दिनकर (D) गुरु नानक

BiharboardQuestionpaper.com

26. किनके जन्म दिवस को अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है ?
(A) महात्मा गाँधी (B) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद (C) जवाहरलाल नेहरू (D) बाल गंगाधर तिलक

27. गुरु नानक पंजाबी के अलावे और किस भाषा में कविताएँ लिखें ?
(A) उड़िया (B) हिंदी (C) मराठी (D) बंगाली

28. सम्प्रदायमुक्त कृष्णभक्त कवि कौन थे ?
(A) रसखान (B) सुमित्रानंदन पंत (C) प्रेमघन (D) वीरेन डंगवाल

29. रसखान का रचनाकाल था
(A) शाहजहाँ का शासन काल (B) जंहाँगीर का शासन काल
(C) हुमायूँ का शासन काल (D) अकबर का शासन काल

30. वियोग में सच्चा प्रेमी जो वेदना सहता है, उसके चित्त में जो विभिन्न तरंगे उठती हैं–का चित्रण किया है
(A) घनानंद ने (B) अनामिका ने
(C) रेनर मारिया मिल्के ने (D) वीरेन डंगवाल ने

31. 'सुजान सागर' किनकी रचना है ?
(A) गुरु नानक की (B) प्रेमघन की (C) रसखान की (D) घनानंद की

32. 'अति सूधो सनेह को मारग हैं'–छंद के रचनाकार हैं
(A) अज्ञेय (B) कुँवर नारायण (C) वीरेन डंगवाल (D) घनानंद

33. 'प्रेमघन' किस युग के प्रमुख कवि थे ?
(A) प्रयोगवाद युग के (B) प्रपद्यवाद युग के (C) भारतेन्दु युग के (D) छायावाद युग के

34. 'जीर्ण जनपद' किस कवि की रचना है ?
(A) बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन की (B) अनामिका की
(C) घनानंद की (D) रसखान की

35. 'स्वदेशी' कविता संकलित है
(A) ग्राम्या से (B) भगनदूत से
(C) रसखान रचनावली से (D) 'प्रेमघन सर्वस्व' से

36. 'सुमित्रानंदन पंत' का जन्म कब हुआ था ?
(A) 1800 ई० में (B) 1700 ई० में (C) 1900 ई० (D) 1905 ई० में

37. 'खेत' शब्द है
(A) विदेशज (B) तद्भव (C) देशज (D) तत्सम

38. 'सत्य के लिए आग्रह' के लिए एक शब्द है
(A) सत्यग्रह (B) सत्य आग्रह (C) सत्याग्रह (D) सत्याआग्रह

39. 'वह छत से गिर पड़ा'–यह किस कारक का उदाहरण है ?
(A) अपादान कारक (B) कर्त्ता कारक (C) कर्म कारक (D) अधिकरण कारक

40. 'ग' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) तालु (B) मूर्द्धा (C) कंठ (D) ओष्ठ

41. 'तुम <u>क्या</u> खा रहे हो ?' रेखांकित शब्द कौन सर्वनाम है ?
(A) अनिश्चयवाचक (B) प्रश्नवाचक (C) संबंधवाचक (D) निश्चयवाचक

42. 'चोर' शब्द का विलोम है
(A) निर्दोष (B) अच्छा (C) गुणवान (D) साधु

43. 'भारत के प्रधानमंत्री' किस पदबंध का उदाहरण है ?
(A) संज्ञा पदबंध का (B) विशेषण पदबंध का
(C) सर्वनाम पदबंध का (D) क्रिया पदबंध का

44. 'संगम' शब्द का संधि-विच्छेद है
(A) सं + गम (B) सन + गम (C) सम् + गम (D) स + मगम

45. निम्न में शुद्ध वाक्य कौन है ?
(A) आपका भवदीय (B) साहित्य और जीवन का घोर संबंध है
(C) वहाँ भारी भरकम भीड़ जमा थी (D) श्रीकृष्ण के अनेक नाम हैं

46. मंगम्मा क्या बेचती थी ?
(A) मक्खन (B) दूध (C) दही (D) घी

BiharboardQuestionpaper.com

47. मंगम्मा कहाँ की रहने वाली है ?
(A) अवलूर के पास किसी गाँव की
(B) सातूर के पास किसी गाँव की
(C) जालौन के पास किसी गाँव की
(D) नागौर के पास किसी गाँव की

48. मंगम्मा किस भाषा की कहानी है ?
(A) तेलगू (B) उड़िया (C) हिंदी (D) कन्नड़

49. 'धरती कब तक घूमेगी' के रचनाकार कौन हैं ?
(A) सातकोड़ी होता (B) ईश्वर पेटलीकर (C) सुजाता (D) साँवर दइया

50. लेखक सुजाता का जन्म कब हुआ था ?
(A) 1936 ई० में (B) 1935 ई० में (C) 1937 ई० में (D) 1938 ई० में

51. मंगम्मा मिठाई किसके लिए ले जा रही थी ?
(A) पोता के लिए (B) पोती के लिए (C) भाँजी के लिए (D) बहू के लिए

52. 'ढहते विश्वास' कहानी में किस राज्य को बाढ़ एवं सूखा से प्रभावित दिखाया गया है ?
(A) उड़ीसा (B) बिहार (C) नेपाल (D) केरल

53. पहले दिन पाप्पाति को क्या था ?
(A) सर्दी (B) जुकाम (C) बुखार (D) दर्द

54. 'ढहते विश्वास' कहानी में स्कूल कहाँ है ?
(A) पठार के नीचे (B) टीले के नीचे (C) पहाड़ के नीचे (D) पेड़ के नीचे

55. सीता के बेटों ने सीता को कितने रुपए माहवारी खर्च देने का निर्णय लिया ?
(A) 100 रु० (B) 50 रु० (C) 60 रु० (D) 70 रु०

56. 'अच्छे लड़के परिश्रमी होते हैं'–कौन वाक्य का उदाहरण है ?
(A) मिश्र वाक्य (B) सरल वाक्य (C) संयुक्त वाक्य (D) इनमें से कोई नहीं

57. संतू मछली लेकर क्यों भागा ?
(A) कुएँ में डालने के लिए
(B) बेचने के लिए
(C) पकाने के लिए
(D) काटने के लिए

58. 'एक वृक्ष की हत्या' किस कविता संग्रह से संकलित है ?
(A) दुच्चक्र में स्रष्टा (B) इन दिनों (C) सदानीरा (D) ग्राम्या

59. 'नदी के द्वीप' किस कवि की रचना है ?
(A) रामधारी सिंह दिनकर
(B) सुमित्रानंदन पंत
(C) कुँवर नारायण
(D) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

60. 'सदियों की ठंढी-बुझी राख सुगबुगा उठी, मिट्टी सोने का ताज पहन इठलाती है'–किस कविता की पंक्ति है ?
(A) भारतमाता (B) स्वदेशी (C) हिरोशिमा (D) जनतंत्र का जन्म

61. भारत में जाति-प्रथा का मुख्य कारण क्या है ?
(A) बेरोजगारी
(B) गरीबी
(C) उद्योग धंधों की कमी
(D) अमीरी

62. 'विष के दाँत' शीर्षक पाठ की विधा है
(A) निबंध (B) कहानी (C) रेखाचित्र (D) डायरी

63. किस गवर्नर जनरल के समय 172 दारिस नामक सोने से भरा घड़ा मिला था ?
(A) लार्ड डलहौजी (B) लार्ड कैनिंग (C) वारेन हेस्टिंग्स (D) लार्ड कार्नवालिस

64. 'पुराने का मोह सब समय वांछनीय ही नहीं होता'–यह पंक्ति किस शीर्षक पाठ की है ?
(A) नाखून क्यों बढ़ते हैं
(B) बहादुर
(C) मछली
(D) नागरी लिपि

65. 'मछली' किस प्रकार की कहानी है ?
(A) मनोवैज्ञानिक (B) सामाजिक (C) ऐतिहासिक (D) सांस्कृतिक

66. 'मेरा धर्म कैदखाने का धर्म नहीं है।' यह पंक्ति किस शीर्षक पाठ की है ?
(A) नौबतखाने में इबादत
(B) आविन्यों
(C) शिक्षा और संस्कृति
(D) जित-जित मैं निरखत हूँ

BiharboardQuestionpaper.com

67. लेखक आफ्रिका क्या साथ लेकर गए थे ?
(A) कुर्सी (B) पुस्तक, टाइपराइटर और टेप्स
(C) मेज (D) डंडा

68. किसके बिना प्राणी को मुक्ति नहीं मिलती ?
(A) मूर्ति पूजन के बिना (B) कर्मकांड के बिना
(C) गुरु ज्ञान के बिना (D) तीर्थ यात्रा के बिना

69. स्नेह एवं छंद के सिद्ध कवि थे
(A) रसखान (B) अनामिका (C) प्रेमघन (D) जीवनानंद दास

70. घनानंद किस भाषा के कवि हैं ?
(A) पालि भाषा (B) ब्रज भाषा (C) प्राकृत भाषा (D) मैथिली भाषा

71. दिनकर जी कवि के साथ-साथ
(A) आलोचक भी थे (B) गद्यकार भी थे (C) उपन्यासकार भी थे (D) संगीतकार भी थे

72. 'उगते हुए सूरज का देश' किसे कहा जाता है ?
(A) जापान को (B) नेपाल को (C) भूटान को (D) इरान को

73. 'एक वृक्ष की हत्या' शीर्षक कविता में वृक्ष की सूखी डाली किसकी तरह थी ?
(A) बीमार आदमी की तरह (B) राइफिल की तरह
(C) कमजोर आदमी की तरह (D) थके हुए आदमी की तरह

74. कवयित्री अनामिका के अनुसार चौखटे में क्या नहीं अँटता ?
(A) खरगोश (B) 'क' (C) घड़ा (D) गमला

75. कौन-सा महीना 'माँ' के लिए आराध्यदेव बन गया था ?
(A) चैत (B) वैशाख (C) ज्येष्ठ (D) आषाढ़

76. पार्वती किस पर लेटी हुई थी ?
(A) चौकी पर (B) स्ट्रेचर पर (C) खटिया पर (D) पलंग पर

77. 'धरती कब तक घूमेगी' शीर्षक कहानी में किसे महसूस होने लगा कि आकाश अनन्त नहीं है ?
(A) पुष्पा को (B) भँवरी को (C) बिज्जू को (D) सीता को

78. सीता के कितने लड़के थे ?
(A) तीन (B) चार (C) पाँच (D) छह

79. 'तुलनात्मक व्याकरण' किसकी रचना है ?
(A) सातकोड़ी होता की (B) सुजाता की (C) काल्डवेल की (D) साँवर दइया की

80. 'श' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) ओष्ठ (B) तालु (C) मूर्द्धा (D) दंत

81. निम्न में शुद्ध शब्द है
(A) शिवी (B) हिंदु (C) मधूर (D) सौहार्द

82. 'विवाह' शब्द है
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंल्लिंग (C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

83. 'मैं पढ़ रहा हूँ' किस काल का उदाहरण है ?
(A) वर्तमानकाल (B) भूतकाल (C) भविष्यत काल (D) इनमें से कोई नहीं

84. 'लंबोदर' शब्द कौन समास है
(A) द्वन्द्व (B) बहुव्रीहि (C) द्विगु (D) तत्पुरुष

85. 'महिला' का पर्यायवाची है
(A) सविता (B) नारी (C) अंशुमाली (D) नीरधि

86. 'एड़ी' शब्द का विलोम है
(A) सुधा (B) सूखा (C) चोटी (D) लाघव

87. 'अक्ल पर पत्थर पड़ना' मुहावरे का अर्थ है
(A) होशियार समझना (B) अन्याय (C) एक ही सहारा (D) बुद्धि भ्रष्ट होना

88. 'लिखावट' शब्द है
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंल्लिंग (C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

89. 'श्रीमान्' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है ?
(A) श्रीमनी (B) श्रीमानी (C) श्रीमती (D) श्रीमानाइन

BiharboardQuestionpaper.com

90. शुद्ध शब्द है
(A) गुणि (B) पती (C) तत्कालिक (D) प्रामाणिक

91. 'दुर्गंध' शब्द का संधि-विच्छेद है
(A) दुर्ग + ध (B) दु + गंध (C) दुर + गंध (D) दुः + गंध

92. 'ङ' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) कंठ (B) तालु (C) मूर्द्धा (D) दंत

93. 'लोहा' शब्द है
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंल्लिंग (C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

94. 'कलम' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक (B) व्यक्तिवाचक (C) भाववाचक (D) समूहवाचक

95. 'नाच न जाने आंगन टेढ़ा' लोकोक्ति का क्या अर्थ है ?
(A) पीछा न छोड़ना (B) हानि पहुँचाना
(C) काम न जानना और बहाना बनाना (D) मूर्ख व्यक्ति

96. 'गुण' शब्द का विलोम होगा
(A) दाता (B) दोष (C) कृपण (D) दिवा

97. 'प्रत्येक' शब्द कौन समास है ?
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष (C) द्विगु (D) द्वन्द्व

98. 'राम खाता होगा' कौन काल है ?
(A) भूतकाल (B) संदिग्ध वर्तमानकाल
(C) भविष्यकाल (D) सामान्य भूतकाल

99. 'सभा' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) जातिवाचक (B) व्यक्तिवाचक (C) समूहवाचक (D) भाववाचक

100. 'आग' शब्द है
(A) तत्सम (B) तद्भव (C) देशज (D) विदेशज

खण्ड–ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा : 5×2=10

(क) यात्रा वृतांत लेखन में राहुल सांकृत्यायन का स्थान अन्यतम है। वह यायावरी वृत्ति और फक्कड़-घुम्मकड़ प्रकृति के व्यक्तित्व रहें, अतः उनके अनेक यात्रा वृतांत जीवनानुभव से पूर्ण सत्य का उद्‌घाटन करते हैं। 'तिब्बत में सवा वर्ष', 'मेरी यूरोप यात्रा', 'मेरी तिब्बत यात्रा' आदि उनके इस युग के महत्त्वपूर्ण यात्रा वृतांत हैं। 'तिब्बत में सवा वर्ष' में न केवल जनजीवन की सशक्त झाँकी है, वरन् वहाँ रहकर खोजे गए ग्रंथों का भी विस्तृत विवरण मिलता है। 'मेरी यूरोप यात्रा' में यूरोप के दर्शनीय स्थानों के अतिरिक्त कैम्ब्रिज तथा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के रोचक वृत्त भी प्रस्तुत हैं। अनेक चित्रों से अलंकृत तथा डायरी शैली में लिखी गयी 'मेरी तिब्बत यात्रा' में तिब्बत के प्राकृतिक सौन्दर्य का मनोहारी निरूपण मिलता है।

प्रश्न :
(i) राहुल सांकृत्यायन का व्यक्तित्व कैसा था ?
(ii) उनके महत्त्वपूर्ण यात्रा वृतांत कौन-कौन थे ?
(iii) जन-जीवन की झाँकी किस यात्रा वृतांत में मिलती है ?
(iv) किस यात्रा वृतांत में कैम्ब्रिज तथा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के रोचक वृत्त प्रस्तुत हैं ?
(v) 'मेरी तिब्बत यात्रा' में किसका निरूपण किया गया है ?

(ख) शिवपूजन सहाय का जन्म 9 अगस्त, 1893 ई॰ को बिहार के शाहाबाद जिले में हुआ था। ये हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार, कहानीकार, सम्पादक और पत्रकार रहे हैं। इन्हें साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में 1960 ई॰ में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनके लेखन की शुरुआत गुलाम भारत में होती है। भारत उस समय वाह्य और भीतरी गुलामी से घिरा था। इन्हें 'भाषा का जादूगर' भी कहा गया है। इनकी मस्ती और जिंदादिली इनके व्यक्तिगत निबंधों में दिखलाई पड़ती है। इन्हें 1962 ई॰ में भागलपुर विश्वविद्यालय द्वारा डी॰ लिट् की मानक उपाधि प्रदान की गयी। स्वतंत्रता के बाद शिवपूजन सहाय बिहार राष्ट्रभाषा परिषद के संचालक तथा बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन की ओर से प्रकाशित 'साहित्य' नामक शोध-समीक्षा-प्रधान त्रैमासिक पत्र के सम्पादक रहे।

BiharboardQuestionpaper.com

प्रश्न :

(i) शिवपूजन सहाय का जन्म कब हुआ था ?

(ii) इन्हें किस क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया ?

(iii) इनके लेखन की शुरुआत कब होती है ?

(iv) 'भाषा का जादूगर' किसे कहा गया है ?

(v) स्वतंत्रता के बाद शिवपूजन सहाय किसके सम्पादक रहे ?

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा : 5×2=10

(क) इस संसार में धन ही सबकुछ नहीं है। धन की पूजा तो बहुत कम जगहों में होती देखी गई है। संसार का इतिहास उठाकर देखिए और उदाहरण ढुँढ़-ढुँढ़कर सामने रखिए, तो आपको विदित हो जाएगा कि जिनकी हम उपासना करते हैं, जिनके लिए हम आँखें बिछाने तक को तैयार रहते हैं, जिनकी स्मृति तरोताजा रखने के लिए हम अनेक तरह के स्मारक चिह्न बनाकर खड़े करते हैं, उन्होंने रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे, जिनकी महत्ता हम रुपए से अधिक मूल्यवान समझते हैं। जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है। अधिकांश अवस्थाओं में उन्हें किसी ने पूछा तक नहीं। उन्होंने जन्म लिया, रुपया कमाया और परलोक की यात्रा की। किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गए। मानव समाज स्वार्थी अवश्य है, पर वह स्वार्थ की उपासना करना नहीं जानता। अंत में वे ही पूजे जाते हैं, जिन्होंने अपने जीवन को अर्पित करते समय सच्चे मनुष्यत्व का परिचय दिया है।

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...
BiharboardQuestionpaper.com
अभी विजिट करें...

प्रश्न :

(i) संसार में किस प्रकार के मनुष्य की पूजा होती है ?

(ii) किनकी प्रतिष्ठा कम हुई है ?

(iii) कैसे व्यक्ति की समाज उपासना करता है ?

(iv) संसार में धन के पुजारियों की क्या गति होती है ?

(v) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

(ख) भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था। इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं हैं, लेकिन जिस रफ्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनजर फसलों की अधिक पैदावार जरूरी थी। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ले ली है। परिणामस्वरूप गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-वैशाख में गेहूँ की फसल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वरा शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल भी मिलती थी।

प्रश्न :

(i) हमारे देश में हरित क्रांति का उद्देश्य क्या था ?

(ii) खाद्यान्नों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किनका प्रयोग सही नहीं था ?

(iii) विशेषज्ञ हरित क्रांति की सफलता के लिए क्या आवश्यक मानने लगे और क्यों ?

(iv) हरित क्रांति ने किसानों को परम्परागत कृषि से किस तरह दूर कर दिया ?

(v) जैविक खाद का मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर क्या असर पड़ता है ?

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250-300 शब्दों में निबंध लिखें : 10

(क) परिश्रम की महत्ता

(i) भूमिका (ii) महत्त्व (iii) उपसंहार।

(ख) राष्ट्रभाषा

(i) आरम्भ (ii) पक्ष में तथ्य (iii) आवश्यकता (iv) उपसंहार।

(ग) हमारा विद्यालय

(i) प्रारम्भ (ii) शिक्षण व्यवस्था (iii) पाठ्यक्रमेतर कार्य (iv) उपसंहार।

BiharboardQuestionpaper.com

(घ) मित्रता

(i) प्रारम्भ (ii) लाभ (iii) हानि (iv) उपसंहार।

(ङ) गणतंत्र दिवस

(i) भूमिका (ii) इतिहास (iii) महत्व (iv) उपसंहार

4. अपने छोटे भाई को जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक बधाई पत्र लिखिए।

अथवा,

कम्प्यूटर शिक्षा की अनिवार्यता पर शिक्षक एवं छात्र के बीच के संवाद को लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20-30 शब्दों में दें : 5×2=10

(क) कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज की निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है ?

(ख) मदन हक्का-बक्का क्यों रह गया ?

(ग) धर्मों की दृष्टि से भारत का क्या महत्व है ?

(घ) कवि वीरेन डंगवाल किन अत्याचारियों का जिक्र करते हैं ?

(ङ) घर, शहर और देश के बाद कवि किन चीजों को बचाने की बात करता है और क्यों ?

(च) मनुष्य की छायाएँ कहाँ और क्यों पड़ी हुई हैं ?

(छ) बहू ने सास को मनाने के लिए कौन-सा तरीका अपनाया ?

(ज) नदी की बाढ़ का विकराल रूप देखने के बावजूद मनुष्य वहाँ से क्यों नहीं खिसका ?

(झ) कवि वीरेन डंगवाल के अनुसार धमाके से कहाँ 'देवी जागरण' हुआ ?

(ञ) देवनागरी लिपि के अक्षरों में स्थिरता कैसे आई ?

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए (शब्द सीमा लगभग 100) : 5

(क) लेखक ने वारेन हेस्टिंग्स से संबंधित किस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना का हवाला दिया है और क्यों ?

(ख) निम्न पंक्तियों का अर्थ लिखें।

सबै बिदेशी वस्तु नर, गति रति रीत लखात।
भारतीयता कछु न अब, भारत म दरसात ॥
मनुज भारती देखि कोउ, सकत नहीं पहिचान।
मुसलमान, हिंदु किधौं, कै हैं ये क्रिस्तान ॥

उत्तर

खण्ड 'अ'

1. (D)	2. (A)	3. (A)	4. (C)	5. (A)	6. (B)	7. (B)
8. (D)	9. (C)	10. (A)	11. (D)	12. (B)	13. (B)	14. (B)
15. (B)	16. (D)	17. (C)	18. (D)	19. (A)	20. (B)	21. (B)
22. (C)	23. (A)	24. (B)	25. (D)	26. (A)	27. (B)	28. (A)
29. (B)	30. (A)	31. (C)	32. (D)	33. (C)	34. (A)	35. (D)
36. (C)	37. (B)	38. (C)	39. (A)	40. (C)	41. (B)	42. (D)
43. (A)	44. (C)	45. (D)	46. (C)	47. (A)	48. (D)	49. (D)
50. (B)	51. (A)	52. (A)	53. (C)	54. (B)	55. (B)	56. (B)
57. (A)	58. (B)	59. (D)	60. (D)	61. (C)	62. (B)	63. (C)
64. (A)	65. (A)	66. (C)	67. (B)	68. (C)	69. (A)	70. (B)
71. (B)	72. (A)	73. (B)	74. (B)	75. (B)	76. (B)	77. (D)
78. (A)	79. (C)	80. (A)	81. (A)	82. (B)	83. (A)	84. (B)
85. (B)	86. (C)	87. (D)	88. (A)	89. (C)	90. (D)	91. (D)
92. (A)	93. (B)	94. (A)	95. (C)	96. (B)	97. (A)	98. (B)
99. (C)	100. (B)					

खण्ड 'ब'

1. (क) (i) राहुल सांकृत्यायन का व्यक्तित्व यायावरी वृत्ति और फक्कड़-घुमक्कड़ प्रकृति का था।
(ii) उनके महत्त्वपूर्ण यात्रा वृतांत 'तिब्बत में सवा वर्ष', 'मेरी यूरोप यात्रा', 'मेरी तिब्बत यात्रा' हैं।
(iii) जन-जीवन की झाँकी 'तिब्बत में सवा वर्ष' यात्रा वृतांत में मिलती है।
(iv) 'मेरी यूरोप यात्रा' में कैम्ब्रिज तथा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के रोचक वृत्त प्रस्तुत हैं।
(v) 'मेरी तिब्बत यात्रा' में तिब्बत के प्राकृतिक सौन्दर्य का मनोहारी निरूपण किया गया है।

BiharboardQuestionpaper.com

(ख) (i) शिवपूजन सहाय का जन्म 9 अगस्त, 1893 ई॰ में हुआ था।

(ii) इन्हें साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

(iii) इनके लेखन की शुरूआत गुलाम भारत में होती है।

(iv) 'भाषा का जादूगर' शिवपूजन सहाय को कहा गया है।

(v) स्वतंत्रता के बाद शिवपूजन सहाय 'साहित्य' नामक शोध-समीक्षा-प्रधान त्रैमासिक पत्र के सम्पादक रहे।

2. **(क)** (i) अपने जीवन को अर्पित करते समय सच्चे मनुष्यत्व का परिचय दिया है, संसार में इस प्रकार मनुष्य की पूजा होती है।

(ii) जिन लोगों के जीवन का उद्देश्य केवल रुपया बटोरना है, उनकी प्रतिष्ठा कम हुई है।

(iii) जो व्यक्ति रुपया कमाने में अपना समय नहीं बिताया था, बल्कि उन्होंने कुछ ऐसे काम किये थे, जिनकी महत्ता हम रुपए से अधिक मूल्यवान समझते हैं, समाज उपासना करता है।

(iv) संसार में धन के पुजारियों की गति यह हुई की किसी ने जाना तक नहीं कि वे कौन थे और कहाँ गये।

(v) सत्कर्म।

(ख) (i) हमारे देश में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश में खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना था।

(ii) खाद्यान्नों की गुणवत्ता बनाये रखने हेतु रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग सही नहीं था।

(iii) विशेषज्ञ हरित क्रांति की सफलता हेतु रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों का प्रयोग आवश्यक मानते थे। क्योंकि देश की आबादी बहुत तेजी से बढ़ रही थी। इसका पेट भरने के लिए फसल भरपूर उत्पादन की आवश्यकता थी।

(iv) हरित क्रांति के कारण किसान खेती के पुराने तरीके से दूर होते गये। वे खेती में हल-बैलों की जगह ट्रैक्टर की मदद से कृषि कार्य करने लगे। इससे बैल एवं अन्य जानवर अनुपयोगी होते गये।

(v) जैविक खाद से खेतों की उर्वरा शक्ति बरकरार रहती है और इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल भी मिलती है।

3.

(क) परिश्रम की महत्ता

भूमिका– राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने कहा है–

"पुरुष हो, पुरुषार्थ करो, उठो,
सफलता वर-तुल्य वरो, उठो,
अपुरुषार्थ भयंकर पाप है,
न उसमें यश है, न प्रताप है।

मानव सभ्यता का विकास परिश्रम की ही देन है। श्रम स्वर्ग का निर्माण करता है और शैथिल्य नरक का। भर्तृहरि ने ठीक ही कहा है कि "उद्योगी पुरुष को ही लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। 'ईश्वर देगा' ऐसा कायर ही कहा करते हैं। भाग्य और दैव को छोड़कर मनुष्य को यथाशक्ति पुरुषार्थ करना चाहिए।" यदि प्रयास करने पर कार्य सिद्ध न हो तो विचार करना चाहिए कि हमारे प्रयत्न में कहाँ कमी रह गई है। भविष्य में उस कमी को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। श्रम के प्रति निष्ठा का अर्थ है, हम अपने जीवन के प्रति निष्ठावान।

महत्त्व– श्रम के प्रति निष्ठा का ही परिणाम है कि मरुभूमि में भी हरे-भरे जंगल अपने रमणीय सौंदर्य से हमें आकृष्ट करते हैं। मानवीय श्रम से ही बड़ी-बड़ी नदियों पर पुल बनाए गए हैं, पहाड़ों के बीच मार्ग तैयार किए गए हैं, सागर की अटल गहराई से अमूल्य वस्तुएँ प्राप्त की जा रही है और आकाश की अनंत नील गहराई से अनेक रहस्यों को उद्घाटित किया जा रहा है। प्रकृति के कण-कण में श्रम की लीला विराजमान है। हम जिसे जड़ समझते हैं, उसके भीतर भी विकास की हलचलें विद्यमान हैं। चेतन में तो श्रम की महत्ता साक्षात रूप में दिखाई पड़ती है। सूर्य, चन्द्र, पवन आदि प्रकृति के महत निर्देश पर निरंतर कार्यरत है। चाहे पंछी हों या कीट-पतंग, चींटियाँ हों या पशु, सभी अपने-अपने जीवनयापन के लिए परिश्रम करते हुए पाये जाते हैं। हमें भी प्रकृति से शिक्षा लेनी चाहिए और परिश्रम के महत्व की स्वीकृति के साथ अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। परिश्रम करने से हमें क्या प्राप्त नहीं हो सकता। परिश्रम से जी चुराने का तात्पर्य है विफलता को आमंत्रित करना। प्राय:, यह देखा गया है कि परिश्रम की बदौलत कमजोर से कमजोर विद्यार्थी भी आगे चलकर विभिन्न परीक्षाओं में बहुत अच्छा करते हैं और अपने जीवन में वांछित सफलता प्राप्त करते हैं।

BiharboardQuestionpaper.com

उपसंहार–प्रसिद्ध चिंतक रॉबर्ट कोलियार ने कहा है–''मनुष्य का सर्वोत्तम मित्र उसकी दस अंगुलियाँ हैं।'' अर्थात, परिश्रम से कार्य सिद्ध होते हैं, मनोरथ से नहीं। सोते हुए सिंह के मुँह में पशु स्वयं नहीं चले आते। कार्य-सिद्धि के लिए परिश्रम आवश्यक है। यह विश्व ही कर्मप्रधान है। प्रकृति का अणु-अणु कर्मनिरत है। कर्म के अभाव में जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

(ख) राष्ट्रभाषा

आरम्भ–किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा से होती है। भारत जैसे विशाल राष्ट्र में सैकड़ों भाषाएँ बोली जाती हैं जिनमें से अठारह भाषाएँ संविधान द्वारा राजकाज के लिए स्वीकृत हैं। हिंदी भाषा उनमें से सर्वोपरि हैं।

पक्ष में तथ्य–हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को राष्ट्रभाषा माना। लेकिन कुछ लोग जो स्वतंत्र देश में भी मानसिक रूप से परतंत्र हैं आज भी हिंदी के स्थान पर अंग्रेजी को ही स्थापित करना चाहते हैं। आज अहिंदी भाषी क्षेत्रों में भी हिंदी पढ़ाई जाती है। इन क्षेत्रों में विद्यार्थी तथा नवयुवक हिंदी बड़े चाव से सीखते, पढ़ते व पढ़ाते हैं। हिंदी की उन्नति के लिए आवश्यक है कि आज सभी क्षेत्रों में हिंदी को अनिवार्य भाषा घोषित कर उसे सभी व्यापारिक संस्थानों, कार्यस्थलों पर लागू किया जाय। प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा लिए गए इंटरव्यू भी हिंदी भाषा में होने चाहिए। जिन विदेशी कंपनियों या कार्यालयों में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग होता है वहाँ हिंदी भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए। क्योंकि हिंदी भारत के आम आदमी की भाषा होने के साथ ही राष्ट्र की गरिमा का प्रतीक भी है। इसलिए हमें हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए।

आवश्यकता–आज हिंदी भाषा की आवश्यकता को महत्व दिया गया है। बैंक हो या कोई भी कार्यस्थल आज हिंदी की आवश्यकता हर क्षेत्र में है। यह भाषा भारत के असंख्य निवासियों द्वारा बोली और समझी जाती है। आज भारत के सभी राज्यों में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता को लोग गहराई से अनुभव कर रहे हैं। आज इस भाषा को सभी स्वीकार करते हैं। यहाँ तक कि स्वतंत्रता सेनानियों ने भी हिंदी का ही प्रयोग किया था। आज हिंदी सीखना-सिखाना देश प्रेम का पर्याय बन चुका है।

उपसंहार–भारतेंदु ने कहा है–'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल'। हमारा कर्त्तव्य है कि हम अपने दैनिक जीवन में हिंदी का अधिक प्रयोग करें। हम भारतीय हैं और हमारी भाषा ही हमारी पहचान है। यह हमारे लिए लज्जाजनक बात है कि देश में उस भाषा को राजपद मिले जो हमारे शोषकों की भाषा थी। हमें अपनी भाषा को अपनाकर गौरव का अनुभव होना चाहिए।

(ग) हमारा विद्यालय

प्रारम्भ–विद्यालय अर्थात् विद्या + आलय यानी विद्या का घर। विद्यालय में सभी जाति, धर्म और वर्ग के बच्चे बढ़ने आते हैं। विद्यालय शासकीय और अशासकीय दोनों प्रकार के होते हैं। मेरे नगर में कई विद्यालय हैं। मैं सुभाष माध्यमिक विद्यालय में पढ़ता हूँ। यह नगर के मध्य नई सड़क पर स्थित है।

शिक्षण व्यवस्था–मेरे विद्यालय का भवन नवनिर्मित है अत: भव्य और सर्वसुविधाओं से युक्त है। आगे बगीचा है जिसकी देखभाल हम सभी करते हैं, क्योंकि हमारे पाठ्यक्रम में बागवानी भी है। 10 बड़े कमरे, 2 हॉल हैं। एक हॉल में प्रार्थना होती है व दूसरे हॉल में सभाएँ एवं अन्य कार्यक्रम होते हैं।

हमारा विद्यालय परिवार बहुत बड़ा है। लगभग 400 विद्यार्थी यहाँ पढ़ते हैं। लगभग 20 अध्यापक/अध्यापिकाएँ और एक प्रधानाध्यापक तथा 2 चपरासी हैं। प्रधानाध्याक शाला कार्य संचालन करते हैं। सभी गुरुजन विद्वान, परिश्रमी एवं छात्रों को हर समय मार्गदर्शन देते हैं।

पाठ्यक्रमेतर कार्य–हमारे विद्यालय में अध्ययन के अतिरिक्त अन्य कार्यक्रम भी होते हैं। हर शनिवार को बालसभा होती है। गाँधी जयंती, तुलसी जयंती, हिन्दी दिवस, बाल दिवस, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस आदि मनाए जाते हैं। बाल फिल्म एवं प्रकृति निरीक्षण हेतु ले जाया जाता है। खेलकूद, साहित्यिक प्रतियोगिताएँ होती हैं। विजेताओं को शाला के वार्षिक उत्सव में पुरस्कार दिए जाते हैं। पास के गाँव में ले जाकर श्रमदान करवाया जाता है।

उपसंहार–इस प्रकार मेरी शाला में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयत्न किए जाते हैं। छात्र पुस्तकालय में अच्छी-अच्छी पुस्तकों का अध्ययन करते हैं और लाभ लेते हैं। मेरा विद्यालय नगर में सर्वश्रेष्ठ विद्यालय है। मुझे उस पर गर्व है।

(घ) मित्रता

प्रारम्भ–मित्रता का अर्थ है–परस्पर नि:स्वार्थ एवं सौहार्द सम्बन्ध की स्थापना। मित्रता अपने में एक व्यापक अर्थ रखता है। एक सच्चा मित्र अपने सगे-सम्बन्धियों से भी अधिक विश्वसनीय, सच्चा-सहचर तथा हितैषी होता है। विपत्ति में वह अपने मित्र के लिए अपने जीवन को आहुति देने को सदैव तत्पर रहता है।

मित्र का चयन करने में सदैव सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। सच्चा-मित्र हमारे सुखः-दु:ख में नि:स्वार्थ भाव से हमारी सहायता करता है। हम अपने कष्टों एवं समस्याओं की उससे खुलकर चर्चा कर

BiharboardQuestionpaper.com

सकते हैं। जो बातें हम अपने परिवार के सदस्यों को नहीं बतलाते, अपने मित्र को बिना किसी हिचकिचाहट के प्रकट कर देते हैं। इसके विपरीत कपटी मित्र से सदैव हानि तथा खतरे की संभावना रहती है। वे चापलूस एवं धूर्त होते हैं जबकि सच्चे मित्र स्पष्टवादी, निष्कपट तथा सात्विक विचारवाले होते हैं।

लाभ–सच्चे मित्र की संगति से लाभ ही लाभ है। सत्संगति कल्पलता के समान है। कबीरदास जी का कथन है–

"कबिरा संगति साधु की हरै और की व्याधि।
संगति बुरी असाधु की आठों पहर उपाधि।।

अच्छे मित्रों के सान्निध्य से बिगड़े हुए काम भी बन जाते हैं तथा स्वर्गीय आनन्द की अनुभूति होती है।

हानि–बुरे मित्र से हानि ही हानि है। वह कभी चैन से रहने नहीं देता है। उसका एक मात्र उद्देश्य मित्र से अनुचित लाभ उठाना होता है। समय पड़ने पर वह मित्र के शत्रु से भी हाथ मिलाकर उसे (मित्र को) खतरे में झोंक देता है।

उपसंहार–सच्ची मित्रता गंगाजल के समान निर्मल होती है जिसके स्पर्शमात्र से हृदय पवित्र हो जाता है। धन-दौलत, सम्मान, ऐश्वर्य एवं सम्पन्नता भी सच्ची मित्रता के सामने तुच्छ है।

(ङ) गणतंत्र दिवस

भूमिका–गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) का भारतवासियों के जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान है। सदियों की गुलामी से त्रस्त देशभक्तों ने अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता का शंखनाद किया। लाखों के बलिदान के पश्चात् दासता से मुक्ति मिली और गणतंत्र की स्थापना इसी दिन हुई।

इतिहास–स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान अनेक नाजुक क्षण आए। किन्तु गाँधीजी ने स्वाधीनता संग्राम को नया आयाम दिया। इसी बीच सन् 1929 ई॰ में पवित्र रावी के तट पर, लाहौर अधिवेशन में, तत्कालीन काँग्रेस अध्यक्ष पं॰ जवाहरलाल नेहरू ने पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की। तभी से उस दिन (26 जनवरी) स्वतंत्रता दिवस मनाया जाने लगा। 1947 ई॰ में आजादी के बाद जब 1950 ई॰ में संविधान बना और वयस्क मताधिकार अंगीकृत हुआ तो 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। गवर्नर जेनरल का पद समाप्त कर राष्ट्रपति पद की व्यवस्था की गई और डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद प्रथम राष्ट्रपति बने।

महत्त्व–भारत में इस दिन का उतना ही महत्त्वपूर्ण स्थान है जितना कि होली, दीपावली का हिन्दुओं के लिए, क्रिसमस का ईसाइयों के लिए तथा ईद, मुहर्रम का मुसलमानों के लिए। 26 जनवरी के दिन देश के सभी राज्यों की राजधानियों में बड़ी धूमधाम से विशेष समारोह आयोजित होते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति राष्ट्रध्वज फहराते हैं और सेना की टुकड़ियाँ सलामी देती हैं। फिर रंगारंग झाँकियाँ निकलती हैं जिसमें देश की प्रगति की झलक होती है।

26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मानते हैं। इस दिन हमारे राष्ट्र का संविधान लागू हुआ। इसलिए उस दिन हम नत-मस्तक हो संविधान के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं।

राज्यों की राजधानियों में राज्यपाल ध्वजारोहण करते हैं और सैनिक टुकड़ियाँ, छात्रवाहनियाँ सलामी देती हैं। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। राष्ट्रसेवा के लिए व्रत लिया जाता है।

उपसंहार–अतः हमें सतत् ध्यान रखना चाहिए। इस पवित्र तिथि का उद्देश्य कभी भी धूमिल न होने पावे और हम अपने गणतंत्र की बागडोर वैसे सच्चे प्रतिनिधि को ही सौंपे जिससे देश का कल्याण हो।

4.

भगवान बाजार
छपरा
16.01.2021

प्रिय भाई अनमोल,

शुभाशिष।

तुम्हारा पत्र मिला। तुमने लिखा है कि मैं 25 जनवरी को राँची आऊँ। मेरे वहाँ आने का तुमने कोई कारण नहीं लिखा है, लेकिन मुझे यह अच्छी तरह याद है कि 25 जनवरी को तुम्हारा जन्मदिन है। मैं तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हें हार्दिक बधाइयाँ देता हूँ। मैं राँची नहीं आ सकता, क्योंकि फरवरी के प्रथम सप्ताह तक मैं बुरी तरह व्यस्त हूँ।

मैं तुम्हारे जन्मदिन पर हिंदी की महत्वपूर्ण काव्य पुस्तकें उपहारस्वरूप रजिस्टर्ड डाक से भेज रहा हूँ। तुम मेरे द्वारा भेजी गई इन पुस्तकों को मेरे आशीर्वाद के रूप में ग्रहण करोगे।

तुम्हारा शुभैषी अग्रज
विश्वमोहन

पता : अनमोल
कौटिल्य विहार,
गया-3

BiharboardQuestionpaper.com

अथवा,

देखें 2013 (A) प्रश्न संख्या 2 (अ) का उत्तर।

5. (क) कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्तियों की क्षमता को उस सीमा तक विकसित किया जाए कि वे अपना पेशा स्वयं चुन सकें। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण उसी स्थिति में संभव है जब लोग अपने पेशा के चुनाव में स्वतंत्र हो।

(ख) मदन अपने पिता के क्रोध का भुक्तभोगी था। वह बराबर अपने पिता से पिटता रहता था। वह अपने पिता के प्यार से वंचित था। पर, उस दिन पिता ने पीटने की जगह प्यार से उसे लपककर हाथों से उठा लिया। पिता के इस अप्रत्याशित व्यवहार से मदन हक्का-बक्का रह गया।

(ग) देखें 2014 (A), द्वितीय पाली, प्रश्न संख्या 10 का उत्तर।

(घ) कवि ने सांप्रदायिक विद्वेष को आधार बनाकर अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए अत्याचार करनेवालों का जिक्र किया है। समाज नींद में होता है और ऐसे सांप्रदायिक अत्याचारी समाज की उस नींद का फायदा उठाकर अपने स्वार्थ का घिनौना खेल इतिहास के पृष्ठों में दर्ज करा देते हैं। दंगे, आगजनी और बमबारी से ये सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत कर डालते हैं। कवि हमें नींद से जगने की सलाह देता है। अत्याचारियों के अत्याचारों से त्रस्त होकर हमें उनसे समझौता नहीं करना चाहिए, अपितु उनका दृढ़ता के साथ विरोध करना चाहिए। हमारा साफ और मजबूत इनकार उन अत्याचारियों का मनोबल तोड़ सकता है।

(ङ) घर, शहर और देश के बाद कवि नदियों, हवा, भोजन, जंगल एवं मनुष्य को बचाने की बात करता है क्योंकि नदियाँ, हवा, अन्न, फल, फूल जीवनदायक हैं। इनकी रक्षा नहीं होगी तो मनुष्य के स्वास्थ्य की रक्षा नहीं हो सकती है।

(च) मनुष्य की छायाएँ हिरोशिमा शहर के झुलसे हुए पत्थरों और उजड़ी सड़कों पर पड़ी हुई हैं। हिरोशिमा शहर के बीचोबीच मानव निर्मित विध्वंसक परमाणु बम का सूरज बरस पड़ा, जिसकी अग्नि में मानव जलकर भाप बन गया। ये छायाएँ मानव जाति के गत कर्मों के विनाश का सबूत है, जो आज भी हिरोशिमा में मँडराता रहता है।

(छ) देखें 2015 (A), प्रथम पाली, प्रश्न संख्या 18 का उत्तर।

(ज) नदी की बाढ़ का विकराल रूप देखने के बाद भी मनुष्य वहाँ से नहीं खिसका। उसने नदी के किनारे ही घर बनाया। नगर और जनपद भी नदी के किनारे ही बने और इस तरह नदी के किनारे ही सभ्यता का विकास हुआ। मनुष्य नदी से जुड़ा है, क्योंकि वह उसके सुख-दुःख के गीत गाती अनवरत बहती रहती है। मनुष्य उसका पानी पीकर, उसके पानी से खेत सींच अनाज उत्पन्न कर जी रहा है। नदी ने उसके खेतों को अपनी मिट्टी देकर उर्वर बनाया है। नदी ही उसे देती है खाने को मछली। बाढ़ आती है, बाँध के घेरे को तहस-नहस कर देती है, पर मनुष्य उसे शत्रु नहीं कहता, और न उसका किनारा छोड़कर भागता है। नदी देती है जिंदगी, नदी देती है गति, नदी देती है आशा और उमंग-ऐसी नदी को छोड़कर मनुष्य कहाँ बसेगा।

(झ) गरीब बस्तियों में देवी जागरण हुआ।

(ञ) देखें 2015 (A), प्रथम पाली, प्रश्न संख्या 11 का उत्तर।

6. (क) जब वारेन हेस्टिंग्स भारत का गवर्नर जनरल था तब उसे वाराणसी के पास 172 दारिस नामक सोने के सिक्कों से भरा एक घड़ा प्राप्त हुआ था। हेस्टिंग्स ने ईस्ट इंडिया कंपनी के निदेशक मंडल की सेवा में सोने के उन सिक्कों को इसलिए भेजा कि निदेशक मंडल की नजरों में उसकी महत्ता स्थापित हो जाएगी और उसको एक महान उदार व्यक्ति के रूप में जाना जाएगा। लेकिन, उन दुर्लभ प्राचीन स्वर्ण मुद्राओं की ऐतिहासिक महत्ता से अनभिज्ञ निदेशकों ने उन मुद्राओं को गला डाला। वारेन हेस्टिंग्स के इंगलैंड पहुँचने के पहले वे प्राचीन एवं ऐतिहासिक स्वर्ण मुद्राएँ नष्ट हो चुकी थीं। लेखक ने भारतीय सिविल सेवा हेतु चयनित युवा अँगरेज अधिकारियों के आगमन के अवसर पर उन्हें संबोधित करते हुए इस दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना का हवाला इसलिए दिया कि वे भारत की प्राचीन संस्कृति की रक्षा में अपनी तरफ से कोई असावधानी नहीं कर सकें, क्योंकि भारत की संस्कृति दुनिया की प्राचीनतम संस्कृतियों में एक है और इसकी धरती के गर्भ में अनेक सांस्कृतिक रहस्य गड़े पड़े हैं।

(ख) प्रस्तुत पद्यांश हमारे पाठ्य पुस्तक "गोधूली" भाग-2 के स्वदेशी शीर्षक कविता से लिया गया है। इस कविता के कवि बदरी नारायण चौधरी "प्रेमघन" जी हैं। इस कविता में कवि ने बताया है कि "स्वदेशी" वस्तु हम भारतीय के बीच से उठता जा रहा है। विदेशी विद्या, विदेशी बुद्धि के प्रभाव से हमारी चाल-चलन, वेश-भूषा, खान-पान सब पर विदेशी वस्तु हावी हो गई है। हम भारतीय विदेशी वस्तुओं के प्रयोग से इतने बदल गये हैं कि "मनुज भारती देखि कोउ, सकत नहीं पहिचान" अर्थात् भारतीय मनुष्य को देखकर कोई नहीं पहचान सकता है कि यह भारतीय नागरिक है।

BiharboardQuestionpaper.com